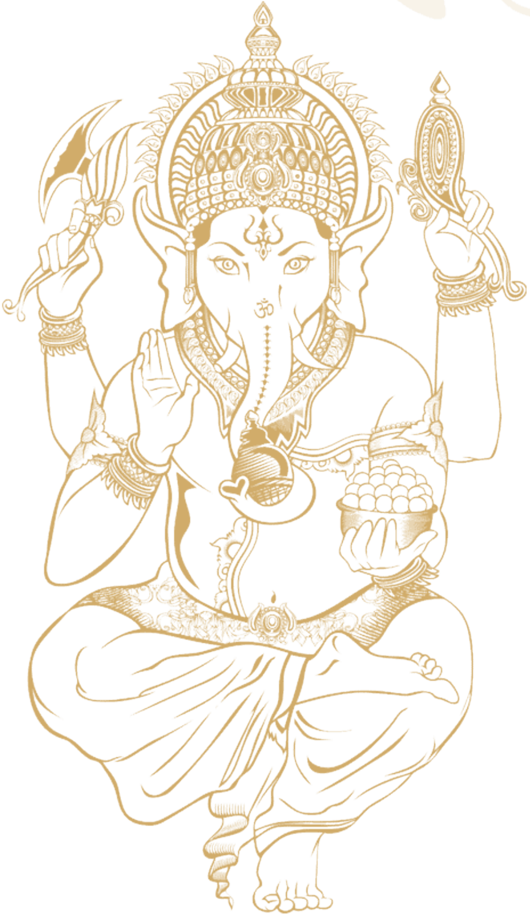

Amal Roy

18 Aug 1967

04:00 PM

Raipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121473204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/1967**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:00:00 घंटे**
इष्ट	25:43:57 घटी
स्थान	**Raipur**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:16:00 उत्तर
रेखांश	81:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:56:48 घंटे
वेलान्तर	-00:03:58 घंटे
साम्पातिक काल	13:41:13 घंटे
सूर्योदय	05:42:25 घंटे
सूर्यास्त	18:31:35 घंटे
दिनमान	12:49:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:23:42 सिंह
लग्न के अंश	21:18:06 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:18:06	352:02:35	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	01:23:42	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	11:37:15	13:01:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
मंगल			तुला	22:27:17	00:35:33	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कर्क	24:52:38	02:01:26	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु		अ	कर्क	24:14:42	00:13:08	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	उच्च राशि
शुक्र	व		सिंह	18:35:53	00:23:02	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	18:34:00	00:02:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
राहु	व		मेष	06:50:16	00:10:57	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	06:50:16	00:10:57	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष			सिंह	29:31:18	00:03:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
नेप			तुला	28:14:14	00:00:29	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	26:06:11	00:02:01	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
दशम भाव			तुला	03:51:34	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:10

लग्न-चलित

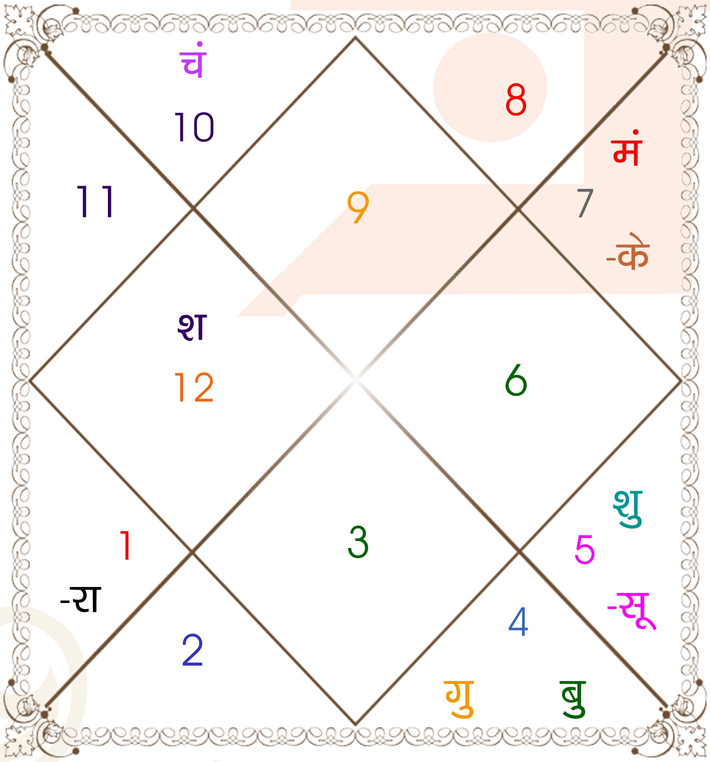

चन्द्र कुंडली

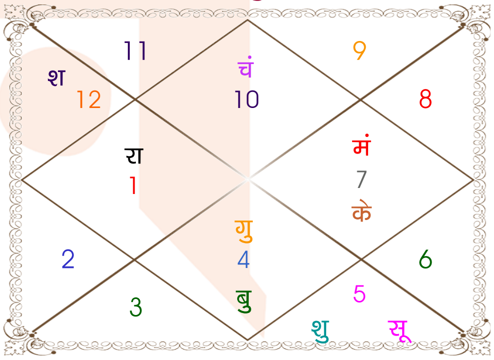

नवमांश कुंडली

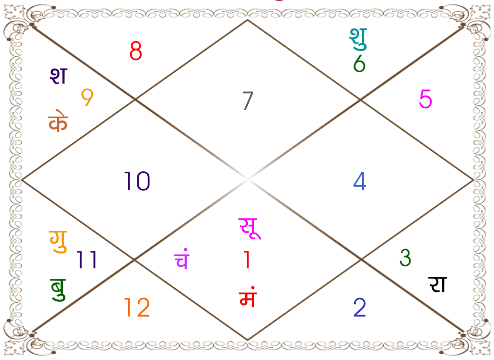

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 9 मास 12 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/08/1967		**31/05/1976**		**31/05/1983**		**31/05/2001**		**31/05/2017**	
31/05/1976		**31/05/1983**		**31/05/2001**		**31/05/2017**		**31/05/2036**	
	18/08/1967	मंगल	27/10/1976	राहु	11/02/1986	गुरु	19/07/2003	शनि	03/06/2020
मंगल	31/10/1967	राहु	14/11/1977	गुरु	06/07/1988	शनि	29/01/2006	बुध	11/02/2023
राहु	30/04/1969	गुरु	21/10/1978	शनि	13/05/1991	बुध	06/05/2008	केतु	22/03/2024
गुरु	30/08/1970	शनि	30/11/1979	बुध	30/11/1993	केतु	12/04/2009	शुक्र	22/05/2027
शनि	31/03/1972	बुध	26/11/1980	केतु	18/12/1994	शुक्र	12/12/2011	सूर्य	03/05/2028
बुध	30/08/1973	केतु	24/04/1981	शुक्र	18/12/1997	सूर्य	29/09/2012	चंद्र	03/12/2029
केतु	31/03/1974	शुक्र	25/06/1982	सूर्य	12/11/1998	चंद्र	29/01/2014	मंगल	11/01/2031
शुक्र	30/11/1975	सूर्य	30/10/1982	चंद्र	12/05/2000	मंगल	05/01/2015	राहु	17/11/2033
सूर्य	31/05/1976	चंद्र	31/05/1983	मंगल	31/05/2001	राहु	31/05/2017	गुरु	31/05/2036

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/05/2036		**31/05/2053**		**31/05/2060**		**31/05/2080**		**31/05/2086**	
31/05/2053		**31/05/2060**		**31/05/2080**		**31/05/2086**		**00/00/0000**	
बुध	27/10/2038	केतु	27/10/2053	शुक्र	30/09/2063	सूर्य	17/09/2080	चंद्र	01/04/2087
केतु	25/10/2039	शुक्र	27/12/2054	सूर्य	29/09/2064	चंद्र	19/03/2081	मंगल	18/08/2087
शुक्र	24/08/2042	सूर्य	04/05/2055	चंद्र	31/05/2066	मंगल	25/07/2081		00/00/0000
सूर्य	01/07/2043	चंद्र	03/12/2055	मंगल	31/07/2067	राहु	18/06/2082		00/00/0000
चंद्र	29/11/2044	मंगल	30/04/2056	राहु	31/07/2070	गुरु	07/04/2083		00/00/0000
मंगल	27/11/2045	राहु	19/05/2057	गुरु	31/03/2073	शनि	19/03/2084		00/00/0000
राहु	15/06/2048	गुरु	25/04/2058	शनि	31/05/2076	बुध	23/01/2085		00/00/0000
गुरु	21/09/2050	शनि	03/06/2059	बुध	01/04/2079	केतु	31/05/2085		00/00/0000
शनि	31/05/2053	बुध	31/05/2060	केतु	31/05/2080	शुक्र	31/05/2086		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 9 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।